पाठ 7

चाँद का कुरता

शीत ऋतु में बहुत ठंड पड़ती है। इससे बचने के लिए सब लोग गरम कपड़े पहनते हैं। पशु–पक्षियों को भी ठंड लगती होगी। इस कविता में चंद्रमा एक बच्चे के रूप में बताया गया है। वह भी ठंड से बचना चाहता है। इसके लिए वह अपनी माँ से कुछ माँग रहा है। इस पाठ में चन्द्रमा और उसकी माँ के बीच हुई बातचीत का वर्णन पढ़ें।

हठ कर बैठा चाँद, एक दिन माता से यह बोला।
सिलवा दो माँ, मुझे ऊन का मोटा एक झिंगोला।।
सन्–सन् करती हवा, रात–भर जाड़े से मरता हूँ।
ठिठुर–ठिठुरकर किसी तरह यात्रा पूरी करता हूँ।।
आसमान का सफर और यह मौसम है जाड़े का।
न हो अगर तो ला दो कुर्ता ही, कोई भाड़े का।।
बच्चे की बातें सुनकर बोली उससे यह माता।
सचमुच जाड़े का मौसम तो तुझको बहुत सताता।।
जाड़े की तो बात ठीक है, पर मैं तो डरती हूँ।
एक नाप में कभी नहीं, तुझको देखा करती हूँ।।

कभी एक अंगुल–भर चौड़ा, कभी एक फुट मोटा।
बड़ा किसी दिन हो जाता है, और किसी दिन छोटा।।
घटता–बढ़ता रोज किसी दिन, ऐसा भी करता है।
नहीं किसी की आँखों को तू, दिखलाई पड़ता है।।
अब तू ही यह बता, नाप तेरा किस रोज़ लिवाएँ ?
सी दूँ एक झिंगोला, जो हर रोज बदन में आए।।

शब्दार्थ

हठ – जिद
झिंगोला – झबला
यात्रा – सफर

नीचे कुछ शब्दों के अर्थ नहीं लिखे हुए हैं। उन शब्दों के अर्थ कोष्ठक में से छाँटकर लिखो।

भाड़ा ....
सलोने ....
बदन ....
ठिठुरकर ....
(सुंदर, किराया, ठंड से काँपकर, शरीर)

प्रश्न और अभ्यास

प्र.1. हमें चाँद कब दिखाई देता है?
प्र.2. चाँद ने माँ से किस चीज की मांग की ?
प्र.3. ऊनी कपड़े किस मौसम में पहने जाते हैं ?
प्र.4. चाँद कब दिखाई ही नहीं देता ?
प्र.5. पूरा गोल चाँद कब दिखता है ?
प्र.6. माता ने चाँद को झिंगोला देने में क्या कठिनाई बताई ?
प्र.7. चाँद कब घटता और कब बढ़ता है ?
प्र.8. पूर्णमासी और अमावस्या के दिन चाँद की क्या स्थिति रहती है ?

प्र.9. चाँद पर आधारित किन त्यौहारों को मनाया जाता है?

क– कार्तिक मास की अमावस्या को ....

ख– फागुन की पूर्णिमा को ....

ग– सावन की पूर्णिमा को ....

घ– रमजान के रोजे पूरे होने के बाद मनाया जाने वाले त्यौहार ....

प्र.10. अगर चींटी और हाथी के लिए झबला बनवाया जाए, तो क्या बन पाएगा? कारण बताते हुए उत्तर लिखो।

प्र.11. जैसे चन्द्रमा ने अपने लिए झिंगोला दिलवाने की जिद की, इसी तरह तुम भी अपनी माँ से किन – किन चीजों के लिए जिद करते हो ?

इनमें से कौन सी जिद पूरी होती है और कौन सी नहीं, नीचे तालिका में लिखो।

जिद	पूरी होती है	पूरी नहीं होती है
मैं खेलने जाऊँगा	....	....

भाषा–अध्ययन और व्याकरण

- कक्षा को दो समूह में बाँटेंगे एवं दोनों समूह परस्पर शब्दों के अर्थ और उनका वाक्य–प्रयोग करने की गतिविधि करें।
- शिक्षक एक अनुच्छेद श्रुतिलेख के लिए बोलेंगे जिसे विद्यार्थी अपनी–अपनी कॉपी में लिखेंगे और आपस में कॉपी बदल कर परीक्षण संबंधी कार्य कराएँगे।
- रवि पहले कमज़ोर था किंतु आजकल ताकतवर हो गया है।

  इस वाक्य में 'कमजोर' का उल्टे अर्थवाला शब्द 'ताकतवर' है।

प्र.1 नीचे लिखे गए शब्दों के उल्टे अर्थ वाले (विरोधी) शब्द लिखो व एक–एक वाक्य बनाओ।

क– जाड़ा ख– मोटा ग– रात घ– बड़ा ङ– स्पष्ट च– दूर

प्र.2. नीचे दिए गए शब्दों को शुद्ध करके लिखो।

जादु, दीखलाई, कुसल, मौसिम, आसमन।

प्र.3. पढ़ो और समझो।

चंदा – गंदा, मंदा

इसी तरह नीचे दिए गए शब्दों से मिलते–जुलते दो–दो शब्द लिखो।

क– माता ख– मोटा ग– नाप घ– डरती

समझो

क. ''नमन गाना गा रहा है।'' ख. ''रचना खेल रही है।''

क वाक्य में गाना गाने का काम हो रहा है। ख वाक्य में खेलने का काम हो रहा है। **''जिन शब्दों से किसी काम के करने या होने का ज्ञान होता है, उन्हें क्रिया कहते हैं।''**

प्र.4. पाठ के अनुसार चांद कभी एक अंगुल भर चौड़ा तो कभी एक फुट मोटा हो जाता था। आओ देखें इनमें कौन – कौन सी चीजें मापी जाती है –

इकाई	चीजों के नाम
लीटर	
मीटर	
किलोग्राम	

प्र.5. नीचे लिखे वाक्यों में क्रिया शब्दों को चुनकर लिखो ।

क– मैं अपने दोस्त को किताब दूँगा।

ख– दर्जी कपड़ा सिल रहा था।

ग– माँ पुस्तक पढ़ रही है।

रचना

प्र.1. चाँद, सूरज व सितारों का चित्र बनाकर उसके बारे में अपने विचार लिखो।

प्र.2. चाँद और माँ की कहानी बातचीत के रूप में लिखो।

प्र.3 नीचे लिखी कविता की पंक्तियों के शब्द उलट–पुलट गए हैं। शब्दों को सही स्थान पर रखकर कविता की पंक्तियाँ बनाओ।

घण्टा	बोला	मदरसे	चलो
जल्दी	अपने	घर से	निकलो
कपड़े	पहनो	ले लो	बस्ता
घर से	निकलो	निकलो	निकलो

योग्यता विस्तार

- चंदा मामा की कोई अन्य कविता खोजो, पढ़ो और कक्षा में लिखकर लगाओ।
- जो रोज छोटा–बड़ा हो, उसके लिए कपड़े सिलवाना संभव नहीं होता। सोचकर बताओं कि चांद की माँ का कहना ठीक था या गलत।
- तुम्हे जब ठण्ड लगती है तो गरम कपड़े पहनते/ओढ़ते हो। जिनके पास गरम कपड़े नहीं होते वे ठण्ड से कैसे बचते हैं।

3N6R9S

शिक्षण–संकेत

- कविता का सस्वर वाचन कर दो–तीन बार कक्षा में सुनाएँ।
- बच्चों से भी कविता का सस्वर वाचन करवाएँ, उनके उच्चारण पर विशेष ध्यान दें।
- कविता में आए चित्र पर बच्चों से बातचीत करें।
- बच्चों से कविता के भावार्थ पर बातचीत करें।